



Bijli Isti'maal Karne Ke Baare Mein Madani Phool (Gujarati)

બિજલી ઇસ્ટિ'માલ કરને કે બારે મેં મ-દની ફૂલ



- ⚡ બિજલી ઇસ્ટિ'માલ કરને કે 80 મ-દની ફૂલ
- ⚡ વોશિંગ મશીન કે બારે મેં 3 મ-દની ફૂલ
- ⚡ UPS બહુત ઝિયાદા બિજલી ખાતા હૈ
- ⚡ ગેસ બચાને કે 3 મ-દની ફૂલ
- ⚡ ઇસ્ત્રી બે દર્દી સે બિજલી ખાતી હૈ

શૈખે તરીકત, અમીરે અહલે સુખત, જાનિવે દા'વતે ઇસ્લામી, હઝરત અલવામા મૌલાના અબૂ ઝિલાલ

મુહમ્મદ ઇલ્યાસ અતાર કાદિરી ર-ઝવી

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

किताब पढने की दुआ

अज : शैफे तरीकत, अभीरे अहले सुन्नत, बानिये द्वा'वते इस्लामी हजरते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अतार कादिरि र-जवी क़ाह्मै अल्लामे दीनी किताब या इस्लामी सबक पढने से पहले जैल में दी हुइ दुआ पढ लीजिये
إِنْ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ

اللَّهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَأَنْشُرْ
عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ

तरजमा : ओ अल्लाह एउं जे ! हम पर इल्मो हिकमत के दरवाजे खोल दे और हम पर अपनी रहमत नाज़िल करमा ! ओ अ-अमत और बुजुर्गो वाले ! (المستطرف ج ١ ص ٤٠١ دارالفكر بيروت)

नोट : अक्वल आभिर अेक अेक बार दुइद शरीफ़ पढ लीजिये.

तालिबे गमे मदीना

व अकीअ

व मद्दिरत

13 शव्वालुल मुकर्रम 1428 हि.



बिजली घस्ति'माल करने के म-दनी कूल

येह रिसाला (बिजली घस्ति'माल करने के म-दनी कूल)

शैफे तरीकत, अभीरे अहले सुन्नत, बानिये द्वा'वते इस्लामी हजरते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद इल्यास अतार कादिरि र-जवी जियाई अल्लामे दीनी ने उई जमान में तहरीर करमाया है.

मजलिसे तराजिम (द्वा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को गुजराती रस्मुल अत में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-अतुल मदीना से शाअेअ करवाया है. इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाअें तो मजलिसे तराजिम को (अ जरीअअे मक्तूब, ई-मेईल या SMS) मुत्तलअ इरमा कर सवाब कमाईये.

राबिता : मजलिसे तराजिम (द्वा'वते इस्लामी)

मक-त-अतुल मदीना

सिलेक्टेड हाउस, अलिफ़ की मस्जिद के सामने, तीन दरवाजा,

अहमदआबाद-1, गुजरात, ईन्डिया

MO. 9374031409 E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ أَمَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ط

कुछ ठस रिसाले के बारे में.....

पिछले दिनों बिजली इरादमी के धंदारे का अेक वइद आलमी म-दनी मर्कज इैजाने मदीना (बाबुल मदीना) में लाजिर हुवा, दा'वते इस्लामी की मर्कजी मजलसे शूरा के निगरान छाश्ठि ठमरान سَلْمَةُ الرَّحْمَنِ से मुलाकात की सआदत हासिल की और म-दनी येनल पर बिजली के बे ज़ा सई और बिजली थोरी करने वालों की मजम्मत को ખूब सराहा और बिजली की बयत में मुआविन बनने वाले दो² अदद हेंउ बिदल पेश किये. निगराने शूरा ने सगे मदीना غَفِيَّ عَنَّهُ को हेंउ बिदल दे कर कुछ लिखने का जेहून दिया और मैं ने यन्द भश्वरे लिख कर वोह हेंउ बिदल दा'वते इस्लामी की मजलिस, "अल मदीनतुल ठस्मिय्या" को बिजवा दिये, ठस पर उन्हों ने कुछ मवाद तय्यार कर के ठनायत इरमाया और सगे मदीना ने उस की तद्वीन में अपना हिस्सा मिलाया, मजकूरा धंदारे की नजर से गुजारा, निगराने शूरा नीज अल मदीनतुल ठस्मिय्या से नजरे सानी करवाध, दा'वते इस्लामी की "मजलसे ठइता" ने शर-ध तइतीश इरमाध और الْحَمْدُ لِلَّهِ यूँ रिसाला, "बिजली ठस्ति'माल करने के म-दनी इल" मन्जरे आम पर आया. रिसालअे हाजा में पेश कर्दा तकनीकी (Technical) मा'लूमात जियादा तर मजकूरा दो अदद हेंउ बिदल ही से ली गध हें. अद्लाह عَزَّ وَجَلَّ ठस रिसाले को आशिकाने रसूल के लिये हुन्या व आभिरत के इवाधधे ब-रकात का बाधस बनाअे और ठस की तरतीब में हिस्सा लेने वालों और ठसे मुकम्मल पढने और बिजली के ठसराइ से बयने वाले और बयने वालियों की बे हिसाब बज्शिश इरमाअे.

أَمِينٍ بِجَاهِ النَّبِيِّ الْأَمِينِ صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

तालिबे गमे मदीना व
बकीअ व मगिरेत व
बे हिसाब जन्नतुल
किरदौस में आका
का पडोस



8 जुल डिजजतिल हराम 1433 सि.हि.

25-10-2012

صَلُّوا عَلَيَّ الْحَبِيبِ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَيَّ مُحَمَّدٍ

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
مَا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

बिजली घस्ति'माल करने के म-दनी फूल

गाविबन आप को शैतान येह रिसाला (26 सफ़हात) नही पढने
देगा मगर आप कोशिश कर के पूरा पढ कर शैतान के वार को नाकाम
बना दीजिये.

दुइद शरीफ़ की इमीलत

दुइरे अकरम, नूरे मुजस्सम صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ का इरमाने
रहमत निशान है : “जिस ने किताब में मुज पर दुइदे पाक लिखा तो
जब तक मेरा नाम उस में रहेगा इरिश्ते उस के लिये इस्तिफ़ार (या'नी
दुआओ मज्फ़िरत) करते रहेंगे.” (الْمُعْجَمُ الْأَوْسَطُ ج 1 ص 497 حديث 1830)

صَلُّوا عَلَيَّ الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيَّ مُحَمَّدٍ

वलिय्युल्लाह की द्वा'वत की हिकायत

उठरते सय्यिदुना हातिमे असम عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللهِ الْكَرِيمِ को अक
मालदार शप्स ने ब इसरार द्वा'वते तआम दी, इरमाया : मेरी येह
तीन शर्ते मानो तो आउंगा, ﴿1﴾ मैं जहां याहूंगा बैठूंगा ﴿2﴾ जो
याहूंगा भाउंगा ﴿3﴾ जो कडूंगा वोह तुम्हें करना पडेगा. उस मालदार
ने वोह तीनों³ शर्ते मन्जूर कर लीं. वलिय्युल्लाह की जियारत के
लिये बहुत सारे लोग जम्अ हो गये. वक्ते मुकर्ररा पर उठरते
सय्यिदुना हातिमे असम عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللهِ الْكَرِيمِ ली तशरीफ़ ले आये और

इरमाने मुस्तफ़ा: عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ: जो शप्स मुअ पर दुइडे पाक पठना भूल गया वोह जन्त का रास्ता भूल गया. (طبرانی)

जहां लोगों के जूते पड़े थे वहां बैठ गये. जब जाना शुरू हुआ, सय्यिदुना हातिमे असम عَلَيْهِ وَرَحْمَةُ اللَّهِ الْكَرِيم ने अपनी जोली में हाथ डाल कर सूभी रोटी निकाल कर तनावुल इरमाई. जब सिक्सिलअे तआम का ईप्तिताम हुआ, मेजबान से इरमाया: “यूल्हा लाओ और उस पर तवा रओ.” हुकम की ता'मील हुई, जब आग की तपिश से तवा सुर्भ अंगारा बन गया तो आप عَلَيْهِ وَرَحْمَةُ اللَّهِ تَعَالَى उस पर नंगे पाईं पड़े हो गये और इरमाया: “मैं ने आज के जाने में सूभी रोटी पाई है.” येह इरमा कर तवे से नीचे उतर आये और हाजिरीन से इरमाया: अब आप हजरात भी बारी बारी ईस तवे पर पड़े हो कर जो कुछ अभी पाया है उस का हिसाब दीजिये. येह सुन कर लोगों की यीभें निकल गईं, भ-यक जबान बोल उठे: या सय्यिदी! हम में ईस की ताकत नहीं, (कहां येह गर्म गर्म तवा और कहां हमारे नर्म नर्म कदम! हम तो गुनहगार हुन्यादार लोग हैं) आप عَلَيْهِ وَرَحْمَةُ اللَّهِ تَعَالَى ने इरमाया: जब ईस हुन्यवी गर्म तवे पर पड़े हो कर आज सिई अेक वक्त के जाने की ने'मत का हिसाब नहीं दे सकते तो कल बरोअे कियामत आप हजरात जिन्दगी भर की ने'मतों का हिसाब किस तरह देंगे! फिर आप عَلَيْهِ وَرَحْمَةُ اللَّهِ تَعَالَى ने पारह 30 सू-रतुतकासुर की आबिरी आयत की तिलावत इरमाई:

ثُمَّ لَتَسْأَلَنَّ يَوْمَئِذٍ عَنِ
التَّعِيمِ ٨

तर-ज-मअे कन्जुल ईमान: फिर बेशक
उरर उस दिन तुम से ने'मतों से पुरसिश
होगी.

येह रिक्कत अंगेअ ईशाई सुन कर लोग दहड़ें मार कर रोने और गुनाहों

ફરમાને મુસ્તફા ﷺ : صَلَّيْ اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّمَ : जिस के पास मेरा ठिक डुवा और उस ने मुझ पर दुइदुदे पाक न पढा तइकीक वोह बढे भुप्त हो गया. (अ. १)

से तौबा तौबा पुकारने लगे. (مَلْخُصَّ از تذكرة الاولياء، الجزء الاول، ص ۲۲۲) **अद्लाह**
 की उन पर रहमत हो और उन के सदके उमारी बे हिसाब
 भगिरेत हो.

اٰمِيْنَ بِجَاهِ النَّبِيِّ الْاَمِيْنَ صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّمَ
 صَلَّوْا عَلٰى الْحَبِيْبِ ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّدٍ

हर ने'मत का हिसाब होगा

मुइस्सिरे शहीर उकीमुल उम्मत उजरते मुइती अहमद यार
 ખાન ઉસ હિકાયત મેં મઝકૂરા આયતે મુબા-રકા
 કે તહત યેહ ભી ફરમાતે હેં : યેહ સુવાલ
 હર ને'મત કે મુ-તઅલ્લિક હોગા, જિસ્માની યા રૂહાની, ઝરૂરત કી
 હો યા ઐશો રાહત કી, ઠન્ડે પાની, દરખ્ત કે સાએ, રાહત કી નીંદ
 કા ભી. (नूरुल ईरफ़ान, स. 956)

બિજલી ભી એક ને'મત હૈ

મીઠે મીઠે ઇસ્લામી ભાઈયો ! અદલાહ ેઝ્ઝલ્ કી ઇનાયત કદા
 બે શુમાર ને'મતોં મેં સે બિજલી ભી એક ને'મત હૈ ક્યૂકે ઇસ કે ઝરીએ
 હમેં બહુત સે દીની વ દુન્યવી ફવાઈદ હાસિલ હોતે હેં લિહાઝા ઇસ
 કે બારે મેં ભી સુવાલ હોગા. હુજજતુલ ઇસ્લામ હઝરતે સય્યિદુના
 ઇમામ અબૂ હામિદ મુહમ્મદ બિન મુહમ્મદ બિન મુહમ્મદ ગઝાલી
 ફરમાતે હેં : બરોઝે કિયામત તુમ સે યેહ સુવાલાત
 હોંગે : ﴿1﴾ તુમ ને યેહ ચીઝ કિસ તરહ હાસિલ કી ? ﴿2﴾ ઇસે કહાં
 ખર્ય કિયા ? ઓર ﴿3﴾ કિસ નિયત સે ખર્ય કિયા ? (سہاۃ العابدین ص ۹۱)

इरमाने मुस्तफ़ा عَسَىٰ اللَّهُ تَعَالَىٰ عَلِيمٌ وَّهِدِي سَلْمًا : जिस ने मुझ पर दस मरतबा सुबह और दस मरतबा शाम दुइद पाक पढा
(उसे क्रियामत के दिन मेरी शक़ाअत मिलेगी. (अ.१६))

बिजली कुजूल मत पर्था कीजिये

कुरआने करीम में कई मकामात पर कुजूल पर्था से मन्अ
क्रिया गया है युनान्थे इरमाने रब्बुल अज़ीम है :

तर-ज-मअे कन्जुल धिमान : और
﴿ ٣٦ ﴾ وَلَا تَبْدُرْ أَبْصَارًا ﴿ ٣٦ ﴾ (प. ५५ अ. ३६)
कुजूल न उडा.

धिस लुकमे कुरआनी के पेशे नजर हमें याखिये के बिजली के कुजूल
धस्ति'माल से भी अयें.

अइसोस ! मकान छो या दुकान, कारखाना छो या दवाखाना, मस्जिद
छो या खानकाह, मद्रसा छो या दर्सगाह, दिन छो या शब उभूमन बे
सबब कई कई बलब रोशन और पंखे ओन रखे जाते हैं. घरों के खाली
कमरों में भी बे परवाही के सबब अती पंखे चल रहे छोते हैं, धस्ति-ज
खानों (Toilets) में कोई नहीं छोता मगर बिला हाजत वहां का बलब
हर वक्त रोशन रहता है. हां जहां ब कसरत आ-मदो रइत रहती छो
वहां जइरतन रात भर बलब रोशन रखने में हरज नहीं. आलू छोले,
समोसे पकोडे, दही तल्ले और धसी तरह के खाने पीने की यीजें बेयने
वालों का गाहकों को माधल करने के लिये अपनी रेढियों वगैरा पर कई
कई बलब रोशन रखना जाधज है के यहां धस का सहीह मक्सद मौजूद
है लेकिन यूंके बिजली अेक कीमती और जइरी यीज है और कई मुल्कों
में बिजली की कमी की वजह से लोग पडले ही मसाधल में मुत्तला हैं
पुसूसन हमारे अपने मुल्क "पाकिस्तान" में लिहाजा अतौरे खस
अैसी जगहों के हवाले से अर्ज है के जहां दुकानों, ठेलों पर जाधद बलब
खलाने की धजाजत भी है वहां भी यन्द यीजें का शरअन, कानूनन या
अख्लाकन खयाल जइर रखा जाअे, पडली येह के बिजली योरी कर के
धस्ति'माल न की जा रही छो. दूसरी येह के कानूनी तौर पर धस की

करमान मुस्तफ़ा : حَسْبِيَ اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَعَلَيْهِ وَسَلَّمَ : जिस के पास मेरा जिक्र हुआ और उस ने मुझ पर दुर्इद शरीफ़ न पढा उस ने जफ़ा की. (عبدالرزاق)

ईजाजत हो. तीसरी येह के यहाँ भी ज़रूरत की हद तक इस्ति'माल की जाये और मद्ज़ उकेरेशन (या'नी सज़ावट) के लिये इस्ति'माल न हो. बल्के उकेरेशन के लिये वोह तरीका इप्ति'यार किया जाये जिस में बिजली का इस्ति'माल न होता हो, ताके कम अज कम हमारे यहाँ जो बिजली की सूरते हाल है उस में कुछ बेहतरी आ सके.

घसराफ़ करने वाले अल्लाह عَزَّ وَجَلَّ को ना पसन्द हैं

याद रखिये ! घसराफ़ (या'नी बे जा अर्थ) करने वाले अल्लाह عَزَّ وَجَلَّ को ना पसन्द हैं युनान्हे पारह 8 सू-रतुल अन्आम की आयत 141 में ईशा'द होता है :

وَلَا تُسْرِفُوا إِنَّهُ لَا يُحِبُّ
الْمُسْرِفِينَ

तर-ज-मअे कन्ज़ुल ईमान : और बे जा न अर्थो बेशक बे जा अर्थने वाले उसे पसन्द नहीं.

घसराफ़ की तइसील

मुफ़स्सिरे शहीर हकीमुल उम्मत हज़रते मुफ़्ती अहमद यार आन عَلَيْهِ رَحْمَةُ الْحَنَّانِ ईस आयते मुकदसा के तह्त बे जा अर्थ (या'नी घसराफ़) की तइसील बयान करते हुअे रकम तराज हैं : ना जाईज जगह पर अर्थ करना भी बे जा अर्थ है और सारा माल धैरात कर के बाल अर्थों को फ़कीर बना देना भी बे जा अर्थ है, ज़रूरत से ज़ियादा अर्थ भी बे जा अर्थ है, ईसी लिये आ'जाअे पुजू को (बिला ईजाजते शर-ई) यार बार धोने से मन्अ किया गया है. (नूरुल ईरफ़ान, स. 232)

घसराफ़ किसे कहते हैं ?

इतावा र-अविय्या जिल्द 1 सफ़हा 926 पर है, घसराफ़ का मा'ना है : "गैरे हक में सर्फ़ (या'नी अर्थ) करना." अेक और मकाम पर

करमाने मुस्तफ़ा: صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जो मुज पर रोजे जुमुआ दुइद शरीफ़ पढेगा में कियामत के दिन उस की शफ़ाअत करेगा. (कोशिल)

मजीद तहरिर है : (वोह) ईसराफ़ के (जो) ना ज़ाईज व गुनाह है (वोह) सिर्फ़ (ईन) दो² सूरतों में होता है, अक येह के किसी गुनाह में सर्फ़ (या'नी अर्थ) व ईस्ति'माल करें, दूसरे बेकार महुज माल जाअेअ करें. (इतावा र-जविय्या, जि. 4, स. 743) दा'वते ईस्लामी के ईशाअती ईदारे मक-त-अतुल मदीना के मत्बूआ तरजमे वाले पाकीजा कुरआन, "कन्जुल ईमान मअ अज़ाईनुल ईरफ़ान" सफ़हा 5 पर पारह 1 सू-रतुल अ-करह की आयत नम्बर 3 के तहत् सदरुल अफ़ज़िल हज़रते अल्लामा मौलाना सय्यिद मुहम्मद नईमुद्दीन मुरादआबादी लिखते हैं : "ईन्फ़ाक (या'नी अर्थ) में ईसराफ़ मम्नूअ है या'नी ईन्फ़ाक (या'नी अर्थ) ज्वाह अपने नफ़स (या'नी अपनी आत) पर हो या अपने अह्ल (या'नी घर वालों) पर या किसी और पर, (अर्थ हमेशा) अे'तिदाल (या'नी मियाना रवी) के साथ हो(ना याहिये और अयाल रचना याहिये के) ईसराफ़ न होने पाअे."

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

बिजली घस्ति'माल करते वक्त मौकअ की मुना-समत से अखी नियतें कर लीजिये

हर मुबाह काम (या'नी जिस का करना सवाब हो न गुनाह) अखी नियत से करने से ईबाहत बन जाता है. बिजली घस्ति'माल करते हुअे भी अखी अखी नियतें करते रहना याहिये म-सलन डीज, वॉशिंग मशीन, A.C, पंपा, अत्ती वगैरा ओन ओफ़ करते वक्त हर बार अ नियते सवाब بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ पढना और ज़रत पूरी हो चुकने पर बिस्मिल्लाह पढ कर ईसराफ़ से अयने

ફરમાને મુસ્તફા ﷺ : صَلَّي اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : મુઝ પર દુરૂદે પાક કી કસરત કરો બેશક યેહ તુમહારે લિયે તહારત હૈ. (રોઝી)

કી નિયત સે ફૌરન બન્દ (OFF) કર દેના. નમાઝ પઢતે વક્ત ખુશૂઅ (યા'ની દિલ જમ્ઈ) પર મદદ હાસિલ કરને કી નિયત સે પંખા યા A.C ચલાના નીઝ યેહ ચીઝેં સોતે વક્ત ચલાને મેં યેહ નિયતેં કી જા સકતી હેં : નીંદ પર મદદ હાસિલ કરને ઔર નીંદ કે ઝરીએ ઇબાદત પર કુવ્વત પાને કે લિયે بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ † પઢ કર પંખા (યા A.C) ચલાઊંગા ઔર ઝરૂરત પૂરી હો જાને કે બા'દ ઇસરાફ સે બચને કી નિયત સે بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ † પઢ કર બન્દ કર દૂંગા. ઘર કે દૂસરે અફરાદ યા મેહમાન વગૈરા હોં તો પંખા વગૈરા ચલાને મેં ઉન કી દિલજૂઈ કી નિયત ભી કી જા સકતી હૈ. ઇસી તરહ ફીજ મેં ગિઝાએં રખતે વક્ત મૌકઅ કી મુના-સબત સે અચ્છી અચ્છી નિયતેં કર સકતે હેં મ-સલન ગોશત યા બચા હુવા ખાના રખતે વક્ત યેહ નિયત કીજિયે : ઇસે ઝાએઅ હોને સે બચાને કે લિયે ફીજ મેં રખતા હૂં. વૉશિંગ મશીન ચલાતે વક્ત હસ્બે હાલ યેહ નિયત હો સકતી હૈ : સફાઈ કી સુન્નત પર મદદ હાસિલ કરને કે લિયે વૉશિંગ મશીન on કર રહા હૂં.

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

મુસલમાનોં કો નફ્અ પહોંચાને કી ફઝીલત

દા'વતે ઇસ્લામી કે ઇશાઅતી ઇદારે મક-ત-બતુલ મદીના કી મત્બૂઆ 743 સફહાત પર મુશ્તમિલ કિતાબ, “જન્નત મેં લે જાને વાલે આ'માલ” સફહા 534 ઔર 535 પર સે દો ફરામીને મુસ્તફા

ﷺ : صَلَّي اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : ﴿1﴾ اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلَى مُحَمَّدٍ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

करमाने मुस्तकاً على الله تعالى عليه وسلم : तुम जहां भी हो मुझ पर दुःख पड़ो के तुम्हारा दुःख मुझ तक पहुंचता है. (طبرانی)

पसन्द है जो लोगों को जियादा नईअ पहुंचाता हो और अल्लाह عَزَّوَجَلَّ का सब से पसन्दीदा अमल वोह सुइर या'नी जुशी है जो तू किसी मुसल्मान के दिल में दाखिल करे ज्वाह तू उस की परेशानी दूर करे या उस का कर्ज अदा करे या उस की लूक मिटाये और अपने किसी भाई की हाजत रवाई के लिये यलना मुझे अपनी ईस मस्जिद में अेक महीना अे'तिफाई करने से जियादा पसन्द है और जिस ने अपना गुस्सा पी लिया डालांके वोह उसे नाईज करने पर कुदरत रभता था तो अल्लाह عَزَّوَجَلَّ क्रियामत के दिन उस के दिल को अपनी रिजा से भर देगा और जो शप्स अपने भाई की हाजत पूरी होने तक उस के साथ रहे अल्लाह عَزَّوَجَلَّ उस दिन उसे साबित क-दमी अता इरमायेगा जिस दिन कदम इसलते डोंगे.

(الترغيب والترهيب ج ٣ ص ٢٦٥ رقم ٢٢)

﴿2﴾ जुशी का इरिश्ता

जो शप्स किसी मोमिन के दिल में जुशी दाखिल करता है अल्लाह عَزَّوَجَلَّ उस जुशी से अेक इरिश्ता पैदा इरमाता है जो अल्लाह عَزَّوَجَلَّ की ईबादत और तौहीद में मसइफ रहता है. जब वोह बन्द अपनी कभ्र में यला जाता है तो वोह इरिश्ता उस के पास आ कर पूछता है : “क्या तू मुझे नहीं पहचानता ?” वोह कडता है के “तू कौन है ?” तो वोह इरिश्ता कडता है के “मैं वोह जुशी हूं जिसे तूने कुलां के दिल में दाखिल किया था आज मैं तेरी वइशत में तुझे उन्स पहुंचाउंगी और सुवालात के जवाबात में साबित कदम रभूंगा और रोजे क्रियामत तेरे लिये तेरे रभ عَزَّوَجَلَّ की बारगाह में सिफारिश करूंगा और तुझे जन्नत में तेरा ठिकाना दिभाउंगी.” (أيضاً ص ٢٦٦ رقم ٢٣)

કરમાને મુસ્તફા صَلَّی اللہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّمَ : जिस ने मुझ पर दस मरतबा दुइद्वे पाक पढा अल्लाह उंस पर सो रलमतें नाज़िल करमाता है. (अ. १)

બિજલી ઇસ્તિ'માલ કરને કે 69 મ-દની ફૂલ

મુસલમાનો કી ખૈર ખ્વાહી ઓર નફ્અ રસાની કી નિયત સે બિજલી ઇસ્તિ'માલ કરને કે 69 મ-દની ફૂલ પેશ કરતા હું, ખુદ કો ઇસરાફ ઓર તઝ્બીએ માલ (યા'ની માલ ઝાએઅ કરને) સે બચાને કી અચ્છી અચ્છી નિયતોં કે સાથ પઢ સમઝ કર ઇન કે મુતાબિક અમલ કીજિયે **اِنَّ شَاءَ اللّٰهُ عَزَّوَجَلَّ** દુન્યા વ આખિરત કી ઢેરો ભલાઈયાં હાસિલ હોંગી, **اِنَّ شَاءَ اللّٰهُ عَزَّوَجَلَّ** બિજલી કી બચત કી બ-ર-કત સે આપ કા બિલ (BILL) ભી કમ આએગા.

રોશની કે આલાત કે 28 મ-દની ફૂલ

બિજલી કમ ખાને વાલા ઇનર્જી સેવર

❁ રોશની કે લિયે કમ તુવાનાઈ સર્ફ કરને વાલે આલાત ઇસ્તિ'માલ કીજિયે, 100 વોટ કે બલ્બ કે મુકાબલે મેં 20 વોટ કા ઇનર્જી સેવર (Energy Saver) 80 ફીસદ તક બિજલી બચા સકતા હૈ બલ્કે અગર જદીદ LED લાઈટ્સ ઇસ્તિ'માલ કી જાએ તો યેહ મઝીદ કમ તુવાનાઈ ઇસ્તિ'માલ કરેંગી.



બર્કી આલા	તા'દાદ	વોટ	ઇસ્તિ'માલ શુદ્ધ યૂનિટ	બચત
બલ્બ	4	400	42	-
ટ્યૂબ લાઈટ	4	160	18	57 %
ઇનર્જી સેવર	4	80	9	80 %

करमाने मुस्तक। عَلَى اللَّهِ تَعَالَى غَلِيظٌ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ : जिस के पास मेरा जिक्र हो और वोह मुज पर दुरुद शरीफ न पढे तो वोह लोगो में से कजूस तरीन शप्स है. (अहमद)

❁ अख्शी कम्पनी का “ईनर्जि सेवर” लेना याहिये ताके ट्यूब लाईट की तरह आंभों को ठन्डा महसूस हो, औसा घटिया न लिया जाअे जो के आंभों को युभे और नजर के लिये मुजिर साबित हो.

❁ बिजली की वायरिंग हमेशा मे'यारी केबल से करवाईये.

❁ दरो दीवार और छत पर हलका रंग जैसे सफ़ेद या ऑफ़ व्हाईट (Off white) वगैरा करवाईये, हलके रंग वाला कमरा कम बत्तियों में भी रोशन रहेगा.

❁ अपने ज़ियादा तर काम दिन की रोशनी में मुकम्मल कर लीजिये, येही काम रात को करेंगे तो बत्ती जलानी पड़ेगी और बिजली ખर्च होगी.

❁ दिन के वक्त दरवाजों और खिडकियों से पर्दे (अगर हों तो) हटा दीजिये और बे पर्दगी का अन्देशा न हो या आप की नजर किसी के घर में न पडती हो तो दरवाजे और खिडकियां भी ખोल दीजिये ताके सिद्धत बप्श ताजा हवा के साथ साथ जरासीम कुश रोशनी बल्के तन्दुरुस्ती देने के लिये धूप भी आअे और बत्ती के बिगैर काम भी चलता रहे.

❁ बल्ब या ट्यूब लाईट दीवार पर नख़ब (फ़िट, Fit) करवाने के बजाअे आंभों पर बराहे रास्त रोशनी न पडे ईस तरह छत से लटका लीजिये, नीये की तरफ़ जितनी करीब होगी उतनी ज़ियादा रोशनी मिलेगी.

❁ हर कमरे में उतने ही बल्ब रोशन कीजिये जितनी जरूरत है, अगर अेक बल्ब से काम चल सकता है तो दूसरा न जलाया जाअे.

❁ आज कल ખूब सूरती के लिये मुખ्तलिफ़ बल्ब और ट्यूब लाईटें प्लास्टिक कवर में अन्ध (Grill Light) लगाई जाती हैं, ईस से बचना याहिये के बिजली ज़ियादा खर्च होने के बा वुजूह रोशनी कम मिलती है.

❁ शोपिंग मोडल में अर्की जीना कम से कम यलाईये.

करमाने मुस्तफ़ی علی اللہ تعالیٰ علیہ وسلم : उस शप्स की नाक भाक आवूद हो जिस के पास मेरा जिक्र हो और वोह मुज पर दुइदे पाक न पड़े. (म)

❖ सन्भतों में कम बिजली खर्य करने वाली मशीनरी 'बस्ति'भाल कीजिये.

❖ कहां कितनी रोशनी की जरूरत है, इस का इन्हिसार मकान की तंगी व कुशा-दगी, कमरे के छोटे बड़े होने और लोगों की किल्लत व कसरत पर होता है, इलेक्ट्रीशन की सवाब दीद पर छोडने के बजाअे अच्छी तरह गौर कर लीजिये के आप को किस जगह कितना उजाला याहिये फिर इस के मुताबिक तरकीब बनाईये.

❖ जिस जगह जियादा रोशनी की जरूरत हो वहां दो या तीन के बजाअे अेक बडा बल्ब लगाना बेहतर है लेकिन साथ में अेक छोटा बल्ब लगा लेना बेहतर है ताके जब जियादा रोशनी की हाजत न हो तो उसी से काम चलाया जा सके.

❖ सिर्फ उसी जगह रोशनी कीजिये जहां आप मुता-लआ वगैरा कर रहे हैं.

❖ रोशनी बढाने के लिये माहाना कम अज कम अेक बार दर बल्ब व ट्यूब लाईट से गर्द साफ़ कर लेना मुनासिब है.

❖ कमरे से बाहर जाते हुअे बल्ब व पंपा वगैरा बन्द (Off) करना न भूलिये.

❖ घर के तमाम अफ़राद खुसूसन म-दनी मुन्नों और म-दनी मुन्नियों की तरबिख्यत कीजिये के वोह गैर जरूरी बत्ती न जलाअें और जरूरत अत्म होने पर फ़ौरन बुजा दें. येही तरकीब दुकान, दफ़तर और कारखाने वगैरा में भी बना लीजिये.

❖ उमूमन इस्तिन्जा खानों (Toilets) की बत्तियां बिला जरूरत जलती रहती हैं, दर शप्स को याहिये के बा'दे इरागत खुद ही बुजा दिया करे.

કરમાને મુસ્તફા ﷺ: جِس نے مُوڑ پَر رُوڑے جُمُوعَا દો સો બાર દુરૂંદે પાક પઢા ઉસ કે દો સો સાલ
કે ગુનાહ મુઆફ હોંગે. (کفرآمال)

❁ બા'ઝ ઈસ્લામી ભાઈ સરે શામ હી ઘર યા દુકાન કી તમામ બત્તિયાં રોશન કર દેતે હૈં, અંધેરા મહસૂસ હોને કે બા'દ સિફ હરબે હાજત બલબ રોશન કીજિયે.

❁ અગર મજબૂરી ન હો તો સોને સે પહલે કમરે કા બલબ બન્દ કર દીજિયે યા ફિર ઝરરતન ઝીરો કા બલબ ઈસ્તિ'માલ કીજિયે, નીઝ ઘર કી તમામ ગૈર ઝરૂરી બત્તિયાં બુઝાના ન ભૂલિયે.

રાત ભર અંધેરે મેં પડા રહના !

❁ મકાન, રાત અંધેરે મેં ડૂબા હુવા રખના અહલે ખાના ઔર ખુસૂસન બચ્ચોં કે લિયે બાઈસે વહ્શત હૈ, ઈસ મેં ચોરોં નીઝ હશરાતુલ અર્ઝ (કીડે મકોડોં, ચૂહોં, છિપ-કલિયોં વગૈરા) કે લિયે સહૂલત હૈ. લાલબેગ ઔર બા'ઝ તરહ કે કીડે ઉજાલે મેં કમ નિકલતે હૈં. સાફ સફાઈ વાલી પુખ્તા ઈમારતોં મેં કીડે મકોડોં કા સિલ્સિલા કમ હોતા હૈ. બહર હાલ રાત જબ ઘર મેં લોગ મૌજૂદ હોં તો કુછ ન કુછ રોશની હોની મુનાસિબ હૈ.

❁ મગરિબ કે વક્ત જબ કે અત્મી કાફી ઉજાલા બાકી હોતા હૈ અક્સર લોગ ઘરોં કી બહુત સારી બત્તિયાં જલા દેતે હૈં, ઐસી જલ્દ બાઝી ન કીજિયે સિફ ઝરરત કે મુતાબિક રોશની કીજિયે.

❁ રાહગીરોં કી સહૂલત કે લિયે બા'ઝ હઝરાત અપને ઘર કે બાહર સારી રાત બલબ રોશન રખતે હૈં યેહ કારે સવાબ હૈ મગર સુબ્હ કા ઉજાલા ફૈલતે હી બત્તી બન્દ કર દીજિયે.

❁ કોઠિયોં કે લોન વ ગેરાજ મેં કિસી ભી વક્ત ગૈર ઝરૂરી બત્તિયાં રોશન ન રહેં ઈસ કા ખયાલ રખિયે.

❁ આ-મદો રફત ન હોને કે બા વુજૂદ બા'ઝ મકાનાત કી સીઠિયોં કી બત્તી સારી રાત જલતી રહતી હૈ, ઈસ કા હલ યેહ હૈ કે “ટૂ વે” કી

ફરમાને મુસ્તફા ﷺ: صَلَوَاتُ اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ: મુઝ પર દુરૂદ શરીફ પઢો અલ્લાહ ઈંજલુમ પર રહમત ભેજેગા. (અબુદાઉદ)

તરકીબ બના લીજિયે યા'ની એક બટન સીઢી કી ઇબ્તિદા પર ઔર એક ઇન્તિહા (યા'ની ખત્મ) પર ઇસ તરહ લગવાઈયે કે દોનોં તરફ સે બત્તી જલાઈ બુઝાઈ જા સકે.

મસ્જિદ મેં બત્તી પંખા ચલાને કે અહમ મસાઇલ

❁ મસ્જિદ મેં ભી બિલા ઝરૂરત બલબ રોશન મત કીજિયે ઔર ઝરૂરત પૂરી હોતે હી બુઝા દીજિયે, મસ્જિદ કે ખાદિમીન કો ઇસ સિલ્સિલે મેં ઝિયાદા એહતિયાત કી ઝરૂરત હૈ ક્યૂંકે મસ્જિદ કા બિલ ચન્દે કી રકમ સે દિયા જાતા હૈ જિસ કા હિસાબ ઝિયાદા સખ્ત હૈ. બા'ઝ મસાજિદ મેં અઝાન કા વક્ત હોતે હી તમામ બત્તિયાં રોશન કર દી જાતીં ઔર સારે પંખે ચલા દિયે જાતે હેં જિન કી હવા લેને વાલા કોઈ નહીં હોતા ક્યૂંકે નમાઝી હઝરાત ઉમૂમન જમાઅત સે ચન્દ મિનટ પહલે હી પહોંચતે હેં. મેરી મ-દની ઇલ્તિજા હૈ કે જૈસે જૈસે નમાઝી આતે જાએ ખુદામ હસ્બે ઝરૂરત બત્તિયાં ઔર પંખે ઓન કરતે જાએ ઔર જૂં જૂં નમાઝી રુખ્સત હોં ઓફ કરતે જાએ ઔર રાત મેં સિર્ફ ઉર્ફ (યા'ની વહાં કે મા'મૂલ) કે મુતાબિક રોશની રખે. મેરે આકા આ'લા હઝરત ઇમામે અહલે સુન્નત મુજદિદે દીનો મિલ્લત મૌલાના શાહ ઇમામ અહમદ રઝા ખાન عَلَيْهِ رَحْمَةُ الرَّحْمٰن રઝા ખાન ૨-ઝવિયા જિલ્દ 9 સફહા 504 પર લિખતે હેં : મસ્જિદ મેં રોશની ખિશ્ત વ ગિલ (યા'ની ઇંટ, મિટ્ટી) કી ઝાત કે લિયે નહીં હોતી બલ્કે નમાઝિયોં કે વાસિતે, બલ્કે નમાઝ મેં ભી અસ્લ નઝર સિર્ફ ફરાઈઝ પર મક્સૂદ હૈ કે અસા-લતન બિનાએ મસ્જિદ (યા'ની બઝાતે ખુદ મસ્જિદ બનાઈ જાના) ઇન્હી (યા'ની ફરાઈઝ) કે લિયે હૈ. વ લિહાઝા જહાં તહજજુદ વગૈરા નવાફિલ ખ્વાં (યા'ની નફલ પઢને વાલે) વ ઝાકિરીન (યા'ની ઝિકુલ્લાહ કરને વાલે) શબ ભર મસ્જિદ મેં રહતે યા રાત કે સબ હિસ્સોં મેં ઉન કી આ-મદો રફત મસ્જિદ મેં રહતી હો ઔર ઇસ વજહ સે વહાં શબ ભર રોશની રખને કી આદત હો યા વાકિફ (યા'ની વક્ફ કરને વાલે) ને

ईरमाने मुस्तफ़ा، علی اللہ تعالیٰ علینا و علیٰ ربنا وسلم : मुज पर कसरत से दुइदे पाक पढो बेशक तुम्हारा मुज पर दुइदे पाक पढना तुम्हारे गुनाहों के लिये मफ़िरत है. (प्रायश्चित्त)

पुद्द ईस की तस्रीह कर दी (या'नी वाजेह तौर पर कइ दिया) डो, ऐसी जगह के ईलावा बाकी तमाम मसाजिद में तिहाई रात के बा'द रोशनी गुल कर (या'नी बत्ती बुजा) देने का हुक्म है के अब (जलती रफना) ईसराफ़ व तज़्यीअे माल (या'नी माल का जाअेअ करना) है.

(इतावा २-अविय्या मुपर्रज, जि. ९, स. ५०४)

नमाज़ियों की गैर मौजू-दगी में बती जलाने की मुमा-न-अत का इतवा

इतावा २-अविय्या जिहद २३ सईहा ३७४ ता ३७५ से अेक सुवाल जवाब मुला-हज़ा डो : सुवाल : जैद इज को बा'द पांच बजे के मस्जिद में यराग ब ग-२जे रौनको जीनते मस्जिद, न के ब ग-२जे तिलावत और मुता-ल-अअे कुतुबे दीनिया जला देता है डालांके रोशनी की उस वक्त जइरत नहीं डोती है क्यूंके नमाज़ियों की आमद पौने छ बजे और जमाअत बा'द छ बजे तुलूअे रोशनी सुबडे सादिक में डोती है और ईलावा ईस के सरकारी लालटेन की रोशनी तीनों दरों में मस्जिद के और सेइन में काई तौर से डोती है अम्र जो मोइतमिमे कदीम मस्जिद का है और सेकडों रुपिया अपनी कोशिशे मौफ़ूरा (वाफ़िर व कसीर कोशिश) से इराहम कर के मस्जिद की तरमीम व दीगर अफ़राजत में लगाता रहा है बडे अब ली मरम्मत करा रहा है, जैद को ईस वक्त के इजूल बिला जइरत यराग जलाने से मन्अ करता है और कइता है के मस्जिद के माल में ईसराफ़ न याडिये मगर जैद नहीं मानता पस ऐसी सूरत में यराग जलाना याडिये या नहीं ? अल जवाब : जब के उस वक्त मस्जिद में कोई नहीं आता यराग जलाना इजूल व मन्अ है फुसूसन जब के (गली में सरकारी) लालटेन की रोशनी (Street Light जल रही) डोती है.

واللّٰهُ تَعَالٰی اَعْلَمُ-

जश्ने विलादत का यरागां

बाडी रातों और जश्ने विलादत के मौकअ पर अख़ी

ફરમાને મુસ્તફા صَلَّی اللہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم : જો મુઝ પર એક દુરુદ શરીફ પઢતા હૈ અલ્લાહ عَلَّو عَلَّو ઉસ કે લિયે એક કીરાત અજ્ર લિખતા હૈ ઓર કીરાત ઉદુદ પહાડ જિતના હૈ. (عمران)

અચ્છી નિચ્ચતોં કે સાથ ચરાગાં કરના જાઈઝ વ કારે સવાબ હૈ. દા'વતે ઈસ્લામી કે ઈશાઅતી ઈદારે મક-ત-બતુલ મદીના કી મતબૂઆ 561 સફહાત પર મુશ્તમિલ કિતાબ, “મહ્ફૂઝાતે આ'લા હઝરત” સફહા 174 પર હૈ : અઝ : મીલાદ શરીફ મેં ઝાડ (યા'ની પન્જ શાખા મશઅલ), ફાનૂસ, ફુરુશ વગૈરા સે ઝૈબો ઝીનત ઈસરાફ (યા'ની ફુઝૂલ ખર્ચા) હૈ યા નહીં? ઈશાદ : ઉ-લમા ફરમાતે હૈં : لَا خَيْرَ فِي الْاِسْرَافِ وَلَا اِسْرَافٍ فِي الْخَيْرِ (યા'ની ઈસરાફ મેં કોઈ ભલાઈ નહીં ઓર ભલાઈ કે કામોં મેં ખર્ચ કરને મેં કોઈ ઈસરાફ નહીં) જિસ શૈ સે તા'ઝીમે ઝિક શરીફ મક્સૂદ હો, હરગિઝ મમ્નૂઅ નહીં હો સકતી.

એક હઝાર શમ્મોં

હુજ્જતુલ ઈસ્લામ હઝરતે સચ્ચિદુના ઈમામ અબૂ હામિદ મુહમ્મદ બિન મુહમ્મદ બિન મુહમ્મદ ગઝાલી عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللَّهِ الْوَالِي نَعِيهِ رَحْمَةُ اللَّهِ الْبَارِي (યા'ની રૂઝબારી ઈસરાફી અબૂ અલી રૂઝબારી عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللَّهِ الْوَالِي نَعِيهِ رَحْمَةُ اللَّهِ الْبَارِي) ને સે નકલ ક્રિયા કે એક બન્દએ સાલેહ (યા'ની નેક શખ્સ) ને મજલિસે ઝિક શરીફ તરતીબ દી ઓર ઉસ મેં એક હઝાર શમ્મોં રોશન કી. એક શખ્સ ઝાહિર બીન (યા'ની સિર્ફ ઝાહિર પર નઝર રખને વાલે) પહોંચે ઓર યેહ કેફિચ્ચત દેખ કર વાપસ જાને લગે. બાનિયે મજલિસ (જો કે ખાસાને ખુદા સે થે ઉન્હોં) ને હાથ પકડા ઓર અન્દર લે જા કર ફરમાયા કે જો શમ્મ મેં ને ગૈરે ખુદા કે લિયે રોશન કી હો વોહ બુઝા દીજિયે. કોશિશોં કી જાતી થી ઓર કોઈ શમ્મ ઠન્ડી ન હોતી.

(احياء العلوم ج ٢ ص ٢٦ مُتَخَصَّصًا)

લહરાઓ સબ્જ પરચમ ઐ આકા કે આશિકો !

ઘર ઘર કરો ચરાગાં કે સરકાર આ ગએ

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

करमाने मुस्तफ़ा: علي الله تعالى عليه و آله و سلمه: जिस ने किताब में मुज़ पर दुरुद पाक लिखा तो जब तक मेरा नाम उस में रहेगा फिरश्ते उस के लिये धस्तिग़ार करते रहेंगे. (उंफ़)

कुन्डा लगाना कैसा ?

✿ जश्ने विलादत की मजलिसों, ना'त की महफ़िलों, शादी की तकरीबों, दुकानों, कारखानों वगैरा वगैरा हर जगह सिर्फ़ कानूनी तरीके पर बिजली धस्ति'माल कीजिये. कुन्डे वगैरा के जरीअे बिजली थोरी करना हराम और जहन्नम में ले जाने वाला काम है. जिस ने माज़ी में अैसा किया है वोह तौबा ली करे और जितनी बिजली थोरी की है हिसाब लगा कर मु-तअद्लिका धंदारे को उतना बिल (BILL) अदा करे.

मुफ्तलिफ़ बर्की आलात के बारे में 14 म-दनी कूल कम्प्यूटर, टेप रेकॉर्डर, मोबाइल थार्जर वगैरा

✿ कम्प्यूटर, मोनीटर (Monitor), कॉपियर, प्रिन्टर, टेप रेकॉर्डर, मोबाइल थार्जर वगैरा जब धस्ति'माल में न हों तो बन्द कर दीजिये. स्टेन्ड बाय (Stand by) रफने की सूरत में ली येह बिजली भर्य करते हैं. बिजली बयाने का बेहतरीन तरीका येह है के बर्की आलात जिस वक्त धस्ति'माल में न हों उन्हें "पावर साकिट" से निकाल दिया जाअे, ताके नुक्ते के बराबर छोटा सा बल्ब रोशन रहता है वोह ली बन्द हो जाअे धस तरह करने में बिजली की बयत के साथ साथ आप के बर्की आलात की ली हिसाजत है.

✿ मोनीटर की जगह LCD या LED धस्ति'माल करने से बिजली कम भर्य होती है.

म-दनी येनल इसी सूरत में यलाधये जब कोध देफने वाला हो

✿ गुनाहों लरे येनल के ना जाधज सिद्विले देफने से अपनी जान धुडा कर सख्थी तौबा कर लीजिये और सिर्फ़ सिर्फ़ 100 डीसद शर-ध म-दनी येनल देफने का मा'मूल बनाधये, मगर अैसा न हो के म-दनी येनल लगाने के बा'द आप बातथीत वगैरा में लग कर गाइल हो जाअें

करमाने मुस्तफ़ा: على الله تعالى غلبوا وبسمل : जिस ने मुज पर अक बार दुइद पाक पढा अब्लाह उंस पर दस रकमतें बेजता है. (س)

या घर त्तर में यहां वहां धूमते रहें, अगर कोई अक इर्द ली झाअेदा न उठा रहा डोगा तो बिजली बेकार भर्य होती रहेगी और जानभूज कर औसा करने की सूरत में भा'ज सूरतों में आप तज़्यीअे माल (या'नी माल जाअेअ करने) के गुनाह में गिरिइतार और अजाबे नार के लकदार हो सकते हैं.

✿ अगजोस्ट इन (Exhaust Fan) प्वाल मत्भभ (किचन, Kitchen) में हो या कमरे में या के धस्तिन्जा जाने में जइरत पूरी हो जाने के भा'द बन्द कर दीजिये.

✿ पानी का बे ज़ा धस्ति'माल न कीजिये, मोटर ज़ियादा चलेगी तो बिजली ली ज़ियादा भर्य डोगी.

✿ बैठने या सोने की तरकीब यू बनाईये के कम पंखों में ज़ियादा अइराद मुस्तफ़ीद हो सकें.

अक पंखे से कइ अइराद धस्ति'माल कर सकते हैं

✿ मदारिस व ज़ामिआत के असातिजा व त-लभा नीज दा'वते धस्लामी के सुन्नतों की तरबियत के म-दनी काइलों के मुसाफ़िर मसाजिद में बिजली के धस्ति'माल में भूभ मोहतात रहें के चन्दे का मुआ-मला बडा सप्त है. नाज़िमीन व अभीरे काइला पास कडी नजर रभा करें औसा न हो के ई पंखा अक धस्लामी भाई सोया पडा हो. घर के कमरे में ज़ब अक पंखे के नीचे कइ अइराद सो सकते हैं तो आभिर मसाजिद व मदारिस में क्यूं नहीं सो सकते ?

✿ धलेक्ट्रिक ओवन (Oven) 600 ता 1500 वॉट्स का होता है, धस में काई बिजली भर्य होती है बिवा सप्त जइरत धस्ति'माल न कीजिये.

U.P.S. बहुत ज़ियादा बिजली जाता है

✿ यूपीअेस (U.P.S) का धस्ति'माल कम से कम करना चाहिये क्यूंके

करमाने मुस्तई: عَلَى اللَّهِ تَعَالَى غَيْرُ الْوَسْمِ : जौ शप्स मुज पर दुरेद पाक पढेना भूल गया वोल जन्त का रास्ता भूल गया. (قرآن)

ईस की “बेदरी” रीचार्ज (Recharge) करने में 300 ता 400 वोट बिजली बर्च्य होती है, लिहाजा दिन के वक्त UPS बन्द रख कर काफ़ी सारी बिजली की बचत की जा सकती है.

❖ सर्दियों में ईस्ति'माल किया जाने वाला बिजली का हीटर (Heater) औसतन 1800 वोट्स का होता है, ईस में बे तडाशा बिजली बर्च्य होती है. कम से कम ईस्ति'माल कीजिये.

घरूनी बे दई से बिजली जाती है

❖ ईस्त्री 800 ता 1200 वोट्स की (या'नी 10 ता 15 छत के पंभों के बराबर) होती है, निहायत बे दई से बिजली जाती और भूब बिल BILL बढ़ाती है, सप्त हाजत में ही ईस्ति'माल कीजिये. अगर मुम्किन हो तो बिगैर ईस्त्री के कपडे पहन लीजिये, अनमोल वक्त के साथ साथ पैसों की भी ठीकठाक बचत होगी.

❖ लिफ्ट (Lift) अरूही जासी बिजली जाती है, ईसे कम से कम ईस्ति'माल कीजिये, सीढियों के जरीअे आना जाना अेक वरजिश है और बदन के लिये तिब्बन मुफ़ीद है.

❖ घर से बाहर जाने से पहले बिजली का हर स्विच (SWITCH) ब्रेक कर लीजिये के कहीं कोई बल्ब, जल और पंभा वगैरा चल तो नहीं रहा !

❖ आ'ज लोगों की आदत होती है के बाहर जाअें तब भी वाली घर का बल्ब ज्वाल म ज्वाल रोशन रखते हैं, बिदा हाजत अैसा न करें, हां ईस लिये रोशन रखा के वापसी में रोशनी मिले या थोर वगैरा से डिफ़ाजत रहे के समजें के घर में कोई है तो दरज नहीं.

झीज व डीप झीजर के बारे में 13 म-दनी कूल

❖ झीज व डीप झीजर (18 क्यूबेक फुट (FOOT) के औसतन 500

﴿قَدْ مَنَّ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِنِينَ إِذْ بَدَأَ لَهُمْ فِي الْأَرْضِ الْحَافَةَ﴾ : जिस के पास मेरा जिक्र हुआ और उस ने मुझ पर दुइडे पाक न पढा तहकीक वोह बढे बप्त हो गया. (उंरुह)

वोट्स के डोते हें येह) आप के घर में डों तो तकरीबन 25 डीसड बिजली इस्ति'माल करते हें.

❁ बा'ज अवकात अपनी ऊइरत से बडा डीज ले लिया जाता है, याद रभिये ! जाली डीज जियादा बिजली भीयता है, अगर रभने को जियादा चीजें न डों तो पानी डी त्तर कर रभ दीजिये और ठन्डा डोने पर सवाब की निय्यत से मुसल्मानों को पिला दीजिये.

❁ डीज में अेक आला थर्मो स्टेट (Thermostat) लगा डोता है जिस से डस की ठन्डक (Cooling) को कन्ट्रोल किया जा सकता है, जियादा ठन्डक पर जियादा बिजली सई डोती है, डस लिये डीज की ठन्डक को मौसिम और ऊइरत के मुताबिक रभिये.

❁ डीज या डीप डीजर को दीवार से लगा कर न रभिये पिछले डिस्से की तरफ डवा का रास्ता खुला रहे.

❁ डीज अैसी जगह न रभिये जहां धूप आती हो बढके कोशिश कर के डसे घर में सब से ठन्डी जगह पर रभिये.

❁ डीज का दरवाजा बार बार खोलने से डस की ठन्डक में कमी आती और बिजली जियादा खर्च डोती है.

❁ जियादा देर दरवाजा खुला रभने से त्नी बिजली जियादा खर्च डोती है, लिहाजा क्या क्या निकालना है येह जेहन बनाने के बा'द डी डीज खोलिये और चीज निकालने के बा'द दरवाजा अच्छी तरह बन्द कर दीजिये.

❁ बार बार डीज न खुले डस के लिये पानी के कूलर का इस्ति'माल कीजिये.

❁ डीज में गर्मा गर्म गिजा वगैरा रभने से अन्डर का द-र-जअे डरारत बढ जाता और बिजली जियादा खर्च डोती है.

ફરમાને મુસ્તફા ﷺ : عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَاللَّهُ سَلَّمَ : जिस ने मुझ पर एक बार दुर्इद पाक पढा अल्लाह उस पर दस रइमतें बेजता है. (स्म)

❁ રેફ્રીજરેટર કે પીછે નહ્દે મુન્ને પાઈપોં કી એક જાલી હોતી હૈ જિસ પર મિટ્ટી ઓર ગર્દ પડતી રહતી હૈ, ઈસ સે ફીજ કી કારકર્દગી પર અસર પડતા હૈ, હફતે પન્દરહ દિન મેં “પાવર સાકિટ” સે નિકાલ કર ઈસે સાફ કર લેના મુફીદ હૈ.

❁ વોહ ફીજ ઓર ફીઝર જો કે ખુદ બર્ફ પિઘલા દેને કી સલાહિયત રખતે હૈં જિનહૈં “નો ફ્રોસ્ટ” (No Frost) કહા જાતા હૈ વોહ નિસ્બતન ઝિયાદા બિજલી ખાતે હૈં.

ફીજ સે ઝાઘદ બર્ફ નિકાલને કા તરીકા

❁ અપને ફીજ ઓર ફીઝર મેં એક ચૌથાઈ (1/4) ઈન્ચ સે ઝિયાદા બર્ફ ન જમને દીજિયે, બર્ફ ઉતારને કે લિયે થોડી દેર બન્દ (OFF) કર કે ઈસ કા દરવાઝા ખોલ દીજિયે ઓર હાથોં સે સાફ કીજિયે, હસ્બે ઝરૂરત પ્લાસ્ટિક કા ચમ્મચ ઈસ્તિ'માલ કીજિયે, લોહે કી ચમ્મચ યા છુરી ચાકૂ કે ઈસ્તિ'માલ સે ફીજ ખરાબ હો સકતા હૈ.

❁ અગર ચન્દ દિનોં કે લિયે ઘર સે બાહર જાના હો તો ફીજ ખાલી કર કે બન્દ કર દીજિયે, અગર ઈસ મેં ઝરૂરી અશ્યા મૌજૂદ હોં તો કમ સે કમ કૂલિંગ (Cooling) પર તરકીબ બના દીજિયે.

વોશિંગ મશીન કે બારે મેં 3 મ-દની ફૂલ

❁ વોશિંગ મશીન (Washing Machine) આપ કે ઈસ્તિ'માલ કી તકરીબન 20 ફીસદ બિજલી ઈસ્તિ'માલ કરતી હૈ.

❁ વોશિંગ મશીન પર કપડે ધોને સે બિજલી કે સાથ કઈ લીટર પાની ભી ઈસ્તિ'માલ હોતા હૈ, અગર ઝિયાદા કપડે ધોને હોં તો હી ઈસ્તિ'માલ કીજિયે, એક યા દો કપડે હોં તો હાથોં સે ધો લીજિયે.

ફરમાને મુસ્તફા صَلَّی اللہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم : જો શેપ્સ મુઝ પર દુરુદે પાક પઢના ભૂલ ગયા વોહ જન્નત કા રાસ્તા ભૂલ ગયા. (طرائف)

❁ કઈ ઘરોં મેં વોશિંગ મશીન કે સાથ કપડે સુખાને વાલા ડ્રાયર (Dryer) ભી ઇસ્તિમાલ હોતા હૈ જિસ સે બિજલી કા ખર્ચ બઢ જાતા હૈ, અગર ખુલી જગહ ઓર ધૂપ મુયસ્સર હો તો કપડે બિગૈર ડ્રાયર કે સુખા લીજિયે.

ઓયર કન્ડીશનર કે બારે મેં 8 મ-દની ફૂલ

ખુશ ઝાએકા ફાલૂદા

અમીરુલ મુઅમિનીન હઝરતે મૌલાએ કાએનાત, અલિય્યુલ મુર્તઝા શેરે ખુદા કَرَّمَ اللہُ تَعَالٰی وَجْہَهُ الْکَرِیْمُ કી ખિદમતે બા બ-ર-કત મેં એક બાર ખુશ ઝાએકા ફાલૂદા પેશ ક્રિયા ગયા. ફરમાયા : ઇસ કી ખુશબૂ, રંગ ઓર ઝાએકા કિતના અચ્છા હૈ ! મેં યેહ બાત પસન્દ નહીં કરતા કે મેરા નફસ એસી ચીઝ કા આદી હો જાએગા જિસ કી ઇસે આદત નહીં. (حلیة الاولیاء ج 1 ص 123) અદલાહ عَزَّ وَجَلَّ કી ઉન પર રહમત હો ઓર ઉન કે સદકે હમારી બે હિસાબ મગ્ફિરત હો.

اٰوِیْنِ بِجَاہِ النَّبِیِّ الْاَمِیْنِ صَلَّی اللہُ تَعَالٰی عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم
صَلُّوْا عَلَی الْحَبِیْب! صَلَّی اللہُ تَعَالٰی عَلَی مُحَمَّد

A. C. કી આદત નિકાલિયે, બિજલી બચાધયે

મીઠે મીઠે ઇસ્લામી ભાઈયો ! અમીરુલ મુઅમિનીન હઝરતે મૌલાએ કાએનાત, અલિય્યુલ મુર્તઝા શેરે ખુદા કَرَّمَ اللہُ تَعَالٰی وَجْہَهُ الْکَرِیْمُ કી નફસ કુશી મરહબા ! કાશ ! હમ ભી સપ્ત ગર્મી મેં નફસ કે મુતા-લબે પર આઈસ્ક્રીમ યા ફાલૂદા ખાતે ઓર ઠન્ડે મશરૂબાત ગટ-ગટાતે વક્ત અમીરુલ મુઅમિનીન હઝરતે મૌલાએ કાએનાત કી ઇસ ઇમાન અફરોઝ હિકાયત કો ભી કભી કભી યાદ કર લિયા કરે ! યાદ રખિયે ! નફસ કો જિસ કદર આસાઈશોં કી આદત ડાલી જાએ વોહ ઉસી કદર ઢીટ ઓર ઐશ પરસ્ત હો જાતા હૈ. દેખિયે ! જબ પંખા ઈજાદ નહીં હુવા થા ઉસ વક્ત ભી લોગ

इरमाने मुस्लिम: عسى الله تعالى عليه وسلم: जिस के पास मेरा जिक्र हुवा और उस ने मुज पर दुइरे पाक न पढा तहकीक
 वोह बढे बप्त हो गया. (उरु)

गुजारा कर ही लेते थे और आज बहुत सों को अेयर कन्डीशन्ड रुम में बैठने और सोने की आदत पड गई है, उन को अब गर्मियों में A.C. के बिगैर नींद आना दुश्वार होता होगा, जोड़ों के दर्द वगैरा में वोह अलग से मुब्तला रहते होंगे. आह ! दुन्या में ने'मत जितनी उम्दा होगी बरोजे कियामत उस का हिसाब भी उतना ही जियादा होगा. इस लिये बदलते मौसिमों के गर्म व सर्द अ-सरात को कभी कभी बरदाश्त भी कर लिया कीजिये ! अलबत्ता जो A.C. ईस्ति'माल करते हैं, वोह गुनहगार नहीं, A.C. का ईस्ति'माल यूंके जाईज है लिहाजा इस के भी म-दनी झूल कबूल इरमाईये :

❖ डेढ टन का अेक अे.सी (Air conditioner) उबल बारह (24) पंखों से जियादा बिजली ईस्ति'माल करता है.

❖ A.C. साअे में रहिये, जुली धूप में रहने से पांच ईसद बिजली जियादा अर्य होगी.

❖ जब तक पंखे से गुजारा हो सकता हो, अे.सी (A.C.) न चलाईये.

❖ अपने अे.सी का थर्मो स्टेट (Thermostat) 16 के बजाअे 26 डिग्री सेन्टी ग्रेड पर मुकरर (Set) कीजिये, इस से आप के माहाना बिल में 30 ईसद कमी हो सकती है.

❖ जब A.C. चलाओं तो उसे शुइअ ही से कम ठन्डक (कूलिंग, Cooling) पर सेट न करें के येह आहिस्ता आहिस्ता ठन्डा करेगा और बिजली जियादा अर्य होगी.

❖ बार बार कमरे का दरवाजा खुलने से भी A.C. पर बोज बढ़ता है और बिजली जियादा अर्य होती है.

❖ साथ में छत का पंखा ईस्ति'माल करना मुईद है.

કરમાને મુસ્તફા : عَسَى اللَّهُ تَعَالَىٰ أَن يَوَسِّعَ لِي سُبُلَ رِزْقِي وَيُخْرِجَنِي مِنْ هَاهُنَا وَيُخَفِّضَ لِي الْوِزْرَ : जिस ने मुझे पर दस भरतभा सुब्द और दस भरतभा शाम दुइडे पाक पढा (उसे क्रियामत के दिन मेरी शक्राअत मिलेगी. (11, अहद))

✿ હર માહ ઈસ કા ફિલ્ટર (Filter) સાફ કરના મુફીદ હૈ.

ઘરેલૂ બર્કી આલાત કી ઓસત તુવાનાઈ (વોટ્સ મેં) બાવર્યા બાને કે બર્કી આલાત

લોડ ટાઈપ	ઓસત વોટ્સ
ટોસ્ટર	800-1500
ગ્રેન્ડર/ મિક્સચર	300
કોફી/ ટી મેકર	800-1000
માઈક્રો વેવ ઓવન	600-1500

ઘરેલૂ બર્કી આલાત

વોશિંગ મશીન	400-700
ઈસ્ત્રી	800-1200

ટીવી (21 ")

સીઆરટી	70-80
એલસીડી	20-25

ટીવી (25 ")

સીઆરટી	90-100
એલસીડી	26-28

ડીપ ફ્રીઝર (18 ક્યૂબેક ફુટ)	500
રેફ્રીજરેટર (18 ક્યૂબેક ફુટ)	500

કરમાને મુસ્તફા. صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जिस के पास मेरा जिक्र हुआ और उस ने मुझ पर दुर्इद शरीक न पढा उस ने जफ़ा की. (عبدالرحمن)

ફિક્સચર્જ એન્ડ ફિટિંગ્ઝ

લોડ ટાઈપ	ઔસત વોટ્સ
રોશન બલ્બ	40-200
ઈનર્જી સેવર	7-80

પંખા

છત કા પંખા	80
બ્રેકટ પંખા	55
પેડ સ્ટેલ પંખા	155

એ.સી (સ્પલિટ 1.5 ટન)	2000
એ.સી (સ્પલિટ 1 ટન)	1500
હીટર	1800

મુન્દ-ર-જએ બાલા આ'દાદ વ શુમાર ઔસત (Average) ખર્ચ કે તૌર પર દિયે ગએ હૈં ઔર મુખ્તલિફ બ્રાન્ડ્ઝ કે લિયે જુદા જુદા હો સકતે હૈં.

ફરમાને મુસ્તફા : صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : જો મુઝ પર રોઝે જુમુઆ દુરુદ શરીફ પઢેગા મેં કિયામત કે દિન ઉસ કી શકાઅત કરુંગા. (કુઝામાલ)

ગેસ બચાને કે 3 મ-દની ફૂલ

- ❁ સર્દી સે બચને કે લિયે હીટર કી બજાએ ગર્મ કપડે ઇસ્તિમાલ કીજિયે.
- ❁ હો સકે તો ઇન્સ્ટન્ટ વોટર ગીઝર ઇસ્તિમાલ કીજિયે કે યેહ સિફ ઇસ્તિમાલ કે વક્ત હી ગેસ ખર્ચ કરતા હૈ.
- ❁ ગીઝર મેં કોનીકલ બીફલ ડાલિયે ઓર 25 ફીસદ તક ગેસ બચાઈયે. કોનીકલ બીફલ કે બિગૈર ગીઝર ઝિયાદા ગેસ ઇસ્તિમાલ કરતા હૈ ઓર ગેસ બિલ મેં ઇઝાફા કરતા હૈ.

સર્દિયોં મેં ગેસ કા બિલ ઝિયાદા ક્યૂં ?

એક અદદ હીટર (2 પ્લેટ વાલા)	એક અદદ ગીઝર (35 ગેલન)	એક અદદ ગીઝર કોનીકલ બીફલ કે સાથ (35 ગેલન)	એક અદદ ચૂલ્હા (એક બર્નર વાલા)
			
(6 ઘન્ટે રોઝાના)	(10 ઘન્ટે રોઝાના)	(10 ઘન્ટે રોઝાના)	(6 ઘન્ટે રોઝાના)
7,460 રૂપૈ તકરીબન	4,010 રૂપૈ તકરીબન	1,920 રૂપૈ તકરીબન	270 રૂપૈ તકરીબન
28 ગુના ઇઝાફા	15 ગુના ઇઝાફા	7 ગુના ઇઝાફા	

થેહ રિસાલા પઢ કર દૂસરે કો દે દીજિયે

શાદી ગમી કી તકરીબાત, ઇજતિમાઆત, આ'રાસ ઓર જુલુસે મીલાદ વગૈરા મેં મકન્ત-બતુલ મદીના કે શાએઅ કર્દા રસાઈલ ઓર મ-દની ફૂલોં પર મુશ્તમિલ પેફ્લેટ લક્સીમ કર કે સવાબ કમાઈયે, ગાહકોં કો બ નિચતે સવાબ તોહફે મેં દેને કે લિયે અપની દુકાનોં પર ભી રસાઈલ રખને કા મા'મૂલ બનાઈયે, અખ્બાર ફરોશોં યા બચ્ચોં કે ઝરીએ અપને મહલ્લે કે ઘર ઘર મેં માહાના કમ અકમ એક અદદ સુન્નાતોં ભરા રિસાલા યા મ-દની ફૂલોં કા પેફ્લેટ પહોંચા કર નેકી કી દા'વત કી ધૂમેં મચાઈયે ઓર ખૂબ સવાબ કમાઈયે.

તાલિબે ગમે મદીના વ
બકીઅ વ મફિરત વ
બે હિસાબ જન્નતુલ
ફિરદોસ મેં આકા
કા પડોસ



8 જુલ હિજજતિલ હરામ 1433 સિ.હિ.
25-10-2012

1 : યેહ મા'લુમાત સૂઈ નાઈરન ગેસ પાઈપ લાઈન્ઝ લિમીટેડ, મર્કઝુલ ઓલિયા લાહોર એપ્રિલ 2012 ઇ. કે એક બિલ સે લી ગઈ હૈં.

सुन्नत की जहारें

رَبِّهِ تَعَالَى تَعَالَى كَرَامَاتِ سُنَّاتِ كِي आलमगीर गैर शियासी तहरीक द्वा'वते ईस्लामी के महके महके म-दनी माहोल में अ कसरत सुन्नतों सीपी और सिभाई ज़ती हैं, हर जुमा'रात ईशा की नमाज़ के बाद आप के शहर में होने वाले द्वा'वते ईस्लामी के हफ्तावार सुन्नतों भरे ईजतिमाअ में रिज़ाअे ईवाही के विये अच्छी अच्छी निव्यतों के साथ सारी रात गुज़रने की म-दनी ईज्तिज़ है. आशिकाने रसूल के म-दनी क़ाफ़िबों में अ निव्यते सवाअ सुन्नतों की तरबियत के विये सफ़र और रोज़ना फ़िके मदीना के ज़रीअे म-दनी ईन्आमात का रिस्वावा पुर कर के हर म-दनी माह के ईन्तिदाई दस दिन के अन्दर अन्दर अपने यहां के जिम्मेदार को जम्अ करवाने का मा'मूल बना लीजिये, رَبِّهِ تَعَالَى ईस की अ-र-कत से पाबन्दे सुन्नत बनने, गुनाहों से नफ़रत करने और ईमान की डिफ़ाज़त के विये कुकने का ज़ेहून बनेगा.

हर ईस्लामी भाई अपना येक ज़ेहून बनाअे के "मुझे अपनी और सारी दुनिया के लोगों की ईस्वाह की कोशिश करनी है. رَبِّهِ تَعَالَى" अपनी ईस्वाह की कोशिश के विये "म-दनी ईन्आमात" पर अमल और सारी दुनिया के लोगों की ईस्वाह की कोशिश के विये "म-दनी क़ाफ़िबों" में सफ़र करना है. رَبِّهِ تَعَالَى



मक-त-अतुल मदीना की शाखें

सुरत : वलियाभाई मस्जिद, भ्वाज़ दाना दरगाह के पास. 9898615071

ज़मनगर : पांच डाटडी, 9327977293

मोडासा : सुका भज़र, 9725824820

गांधीधाम : सपना नगर, मदीना मस्जिद के पास, 8141474279

धोबका : ताजदारे मदीना मस्जिद के सामने, टावर भाज़र, 9374915797

मक-त-अतुल मदीना[®] مکتبة الدینة

द्वा'वते ईस्लामी

सिलिकेटे5 हाउस, अलिफ़ की मस्जिद के सामने, टील दरवाज़ा, अहमदसाहबा-1 गुजरात, इन्डिया
Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net